भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 409

जिसका उत्तर 03 फरवरी, 2022 को दिया जाना है।

.....

बाढ़ के कारण होने वाली तबाही की समीक्षा

409. श्री सुनील कुमार:

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने अब तक वाल्मीकी नगर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में हर साल बाढ़ से होने वाली तबाही की समीक्षा की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का मसान नदी पर गाइड डेम बनाने का विचार है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री बिश्वेश्वर टुडू)

(क) और (ख): बाढ़ एक प्राकृतिक पदा है जिसका देश मात्रा की घटती-ब ती डिग्री में लगभग प्रतिवर्ष सामना करता है। बाढ़ सामान्य पैटर्न से समय एवं स्थान दोनों की दृष्टि से वर्षापात में व्यापक भिन्नता, नदियों की अपर्याप्त जल वहन क्षमताएं, नदी तट कटाव और नदी तल का अवसादन, भूस्खलन, बाढ़ संभावित क्षेत्रों में खराब प्राकृतिक ड्रेनेज, बर्फ का पिघलना एवं ग्लेश्यिल झीलों का फटना जैसे विभिन्न कारणों से बाढ़ ती हैं। कटाव नियंत्रण सहित बाढ़ प्रबंधन कार्य राज्यों के क्षेत्राधिकार में ता है। बाढ़ प्रबंधन एवं कटाव-रोधी योजनाएं संबंधित राज्य सरकारों द्वारा उनकी प्राथमिकता के अनुसार प्रतिपादित एवं कार्यान्वित की जाती है। संघ सरकार तकनीकी दिशानिर्देश और गंभीर क्षेत्रों में बाढ़ प्रबंधन के लिए प्रमोशनल वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए राज्यों के प्रयासों को बढ़ावा देती है। केन्द्रीय जल योग राज्यों से प्राप्त सूचना के धार पर बाढ़ से क्षतिग्रस्त ंकड़ो का संकलन करता है। जिला स्तर पर बाढ़ से क्षतिग्रस्त ंकड़े केन्द्र के द्वारा नहीं रखे जाते हैं। बिहार राज्य में पिछले 20 वर्षों को दौरान औसत वार्षिक बाढ़ से क्षति को दर्शाने वाला विवरण **अनुलग्नक-I** पर दिया गया है।

(ग) से (ङ): मासन नदी पश्चिम चम्पारण जिला के रामनगर ब्लॉक के तहत थोरीकुट्टी गांव के समतल क्षेत्र से रंभ होती है और पश्चिम चम्पारण जिला के लायूरलय ब्लॉक में तेलपुर

गांव में सिकरहाना नदी में मिलती है। इस नदी की लंबाई इस मार्ग खंड में लगभग 45 कि.मी. है और डॉन एवं त्रिवेणी नहरों से होकर गुजरती है। बिहार राज्य सरकार ने सूचित किया है कि मासन नदी के दाएं तथा बाएं तट पर लगभग क्रमशः 6.70 किमी. और 13.87 किमी. क्षेत्र में तटबंध मौजूद है। इसके अलावा, तटबंधों का निर्माण और तटबंधों के निर्माण हेतु भूमि की तकनीकी-□ र्थिक व्यवहार्यता और उपलब्धता पर निर्भर करता है।

*****

अनुलग्नक-I

"बाढ़ के कारण होने वाली तबाही की समीक्षा" के संबंध में दिनांक 03.02.2022 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 409 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

बिहार राज्य में पिछले 20 वर्षों 2000-2019 के दौरान वार्षिक औसत बाढ़ क्षति □ ंकड़ा

राज्य का नाम	**बिहार**
मिलियन हेक्टेयर में प्रभावित क्षेत्र	1.03
मिलियन में प्रभावित जनसंख्या	6.85
फसल नुकसान की लागत, करोड़ रूपए में	170.97
□ वासीय परिसम्पत्तियों का नुकसान, करोड़ रूपए में	140.55
मरने वाले पशुओं की संख्या	930
मारे गए लोगों की संख्या	280
जन सुविधाओं की क्षति, करोड़ रुपए में	193.35
कुल क्षतिग्रस्त फसल, □ वास एवं जन सुविधाओं को होने वाली क्षति, करोड़ रूपए में	495.87